

जबलपुर

सीएमएचओ विवादः

रिट अपील खारिज

हाईकोर्ट ने तथ्य छिपाने और याचिका के दुरुपयोग पर जताई नाराजगी

▶ 1942 में बना या 200 साल पुराना शिव मंदिर की प्राचीनता जांचेगा एसएसआई, जिला न्यायालय ने दी व्यवस्था

▶ ऐतिहासिक व पुरातात्विक महत्व तय करने कलेक्टर को विशेषज्ञ एजेंसी से सर्वे के निर्देश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग के क्षेत्रीय निदेशक व प्रभारी सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा के खिलाफ लोकायुक्त जांच की मांग को लेकर दायर रिट अपील को खारिज कर दिया है। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता द्वारा तथ्यों को छिपाने और अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग करने पर कड़ा रख अपनाया।

मामला जबलपुर स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा के खिलाफ लोकायुक्त में दी गई शिकायतों पर कार्रवाई न होने से जुड़ा है। 'डीपली न्यूज' के संपादक प्रहलाद साहू ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर लोकायुक्त संगठन को स्वतंत्र जांच करने के निर्देश देने की मांग की थी। हालांकि, सुनवाई के दौरान अदालत के सामने आया कि इसी विषय पर एक ही वकील के माध्यम से बार-बार याचिकाएं दाखिल की जा रही थीं।

अदालत ने पाया कि पूर्व में एक अन्य पत्रकार नरेंद्र कुमार राकेशिया द्वारा भी इन्हीं आरोपों को लेकर रिट याचिकाएं दाखिल की जा चुकी थीं, जिसमें अदालत पहले ही लोकायुक्त को 45 दिनों के भीतर शिकायत

जबलपुर। रामपुर चौक स्थित डेलीमा कंपाउंड के विवादित शिव मंदिर की प्राचीनता को लेकर चल रहे विवाद में जिला न्यायालय ने महत्वपूर्ण हस्तक्षेप किया है। न्यायालय ने जिला कलेक्टर को निर्देशित किया है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) अथवा अन्य सक्षम शासकीय एजेंसी से मंदिर का स्थल निरीक्षण एवं आवश्यक परीक्षण करवाकर विस्तृत प्रतिवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कराया जाए।

पुनरीक्षणकर्ता की ओर से अधिवक्ता शांतनु आयाची एवं आदर्श हीरा ने पैरवी की। मामले में दायर सिविल वाद के अनुसार उषा डेलीमा की ओर से मंदिर को निजी संपत्ति बताते हुए दावा किया गया कि इसका निर्माण वर्ष 1942 में उनके परिवार के सदस्यों ने कराया था। इसके विपरीत प्रतिवादि्यों की ओर से मंदिर को करीब 200 वर्ष पुराना बताते हुए उसके ऐतिहासिक महत्व का दावा किया गया। विवाद के निराकरण के लिए उपलब्ध राजस्व अभिलेखों और अन्य दस्तावेजों के आधार पर मंदिर की वास्तविक स्थिति एवं प्राचीनता का विशेषज्ञ परीक्षण कराए जाने की मांग की गई थी। न्यायालय ने माना कि विवादित स्थल की वास्तविक स्थिति, प्राचीनता, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और पुरातात्विक महत्व का निर्धारण केवल पक्षकारों के दावों के आधार पर किया जाना उचित नहीं होगा।

देशी कट्टा, कारतूस सहित आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। गढ़ा पुलिस ने पावर हाउस के पास एससीएसआर के सामने नेहरु नगर में देशी कट्टा लेकर घूम रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 1 देशी कट्टा एवं 1 कारतूस जब्त किया है। गढ़ा थाना प्रभारी प्रखन कुमार शर्मा ने बताया कि गत रात मुखबिर की सूचना पावर हाउस के पास एससीएसआर के सामने नेहरु नगर में वाददात करने के नियत से घूम रहे कट्टरा मोहल्ला पाटन निवासी 18 वर्षीय समीर खान उर्फ पाटन को गिरफ्तार कर उसके पास से एक देशी कट्टा एवं एक कारतूस जब्त करते हुये आरोपी के विरुद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया है।

नर्मदा में नहाने उतरा युवक डूबा, एक दिन बाद मिला शव

जबलपुर। तिलवारा घाट पर नर्मदा नदी में नहाने के दौरान डूबे युवक का शव घटना के करीब एक दिन बाद गोताखोरों ने बरामद कर लिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार राइली के मानेगांव गांधी चौक निवासी राजेन्द्र कोल ने बताया कि उनका बेटा शशांक उर्फ संदेश कोल 29 जुलाई की दोपहर अपने दोस्त विपिन कोल के साथ पहले शाहनाला स्थित छुआ के घर गया था। वहां से दोनों तिलवारा घाट नर्मदा नदी में नहाने पहुंचे, जहां दोपहर करीब 3:30 बजे नहाते समय शशांक गहरे पानी में डूब गया। लगातार तलाश के बाद 30 जुलाई की शाम तिलवारा घाट पर नाव चलाते वाले गोताखोरों ने युवक का शव नदी से बाहर निकाला।

विक्टोरिया में दंत चिकित्सकों की इमरजेंसी ड्यूटी पर बवाल

सीएमएचओ के आदेश से बढ़ी हलचल, डॉक्टरों में नाराजगी

जबलपुर। सेठ गोविंददास जिला अस्पताल (विक्टोरिया) में जारी एक प्रशासनिक आदेश ने स्वास्थ्य महकमे में नई बहस छेड़ दी है। अस्पताल की कैजुअल्टी (इमरजेंसी) में अब दंत चिकित्सकों की भी नियमित ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इस फैसले के बाद अस्पताल परिसर में चर्चाओं का दौर तेज है और कई दंत चिकित्सकों के बीच इस व्यवस्था को लेकर असंतोष की चर्चा सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. नवीन कोठारी ने रोस्टर के आधार पर दंत चिकित्सकों की इमरजेंसी ड्यूटी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आदेश के मुताबिक रोस्टर में शामिल डॉक्टरों को तय समय पर कैजुअल्टी में उपस्थित रहना होगा और अनुपालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कार्रवाई की जा सकती है।

सूत्रों का कहना है कि इस निर्णय के बाद कई दंत चिकित्सकों ने अनौपचारिक रूप से अपनी आपत्तियां जताई हैं। उनका तर्क है कि दंत चिकित्सा सेवाएं पहले से निर्धारित ओपीडी व्यवस्था के तहत संचालित होती हैं और इमरजेंसी ड्यूटी का अतिरिक्त दायित्व कार्य व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, इस संबंध में चिकित्सकों की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। दूसरी ओर, अस्पताल प्रशासन का कहना है कि कई

बार दांत से जुड़ी गंभीर चोट, रक्तस्राव या अन्य आपात स्थितियों में मरीज सीधे कैजुअल्टी पहुंचते हैं। ऐसे मामलों में तत्काल विशेषज्ञ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की गई है, ताकि मरीजों को बिना इलाज लौटना न पड़े। स्वास्थ्य विभाग के आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि रोस्टर का पालन अनिवार्य होगा। यदि कोई चिकित्सक निर्धारित ड्यूटी से अनुपस्थित पाया जाता है या आदेश की अवहेलना करता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह नई व्यवस्था इमरजेंसी सेवाओं को वास्तव में मजबूत करेगी, या फिर डॉक्टरों की नाराजगी के बीच इसे लागू करना प्रशासन के लिए नई चुनौती साबित होगा। फिलहाल पूरे मामले पर स्वास्थ्य विभाग और दंत चिकित्सकों की निगाहें टिकी हुई हैं।

इंदौर के 2 आरोपियों पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

जबलपुर। व्यवसाय विस्तार के लिए बैंक से ऋण दिलाने का झांसा देकर 52 लाख 50 हजार रुपये हड़पने के मामले में विजयनगर थाना पुलिस ने इंदौर के दो आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, मेसर्स 'चैतन्य प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स' के एमआर डायरेक्टर सूर्यकांत पाठक ने शिकायत दर्ज कराई कि वर्ष 2025 में कंपनी को बड़े ऋण की आवश्यकता थी। इसी दौरान परिचित निखिल सोनी ने इंदौर स्थित एमपी एसोसिएट्स के डायरेक्टर योगेश पाटिल और मनीष सिंह कटारिया से संपर्क करवाया। दोनों ने बैंक से बड़ा लोन स्वीकृत कराने अथवा निवेशक उपलब्ध

लोन दिलाने के नाम पर 52.50 लाख की टगी

कराने का भरोसा दिया। आरोप है कि दोनों ने कंपनी के नाम पर फर्जी लोन एग्रीमेंट तैयार करके प्रोसेसिंग फीस के नाम पर अलग-अलग तिथियों में आरटीजीएस के माध्यम से कुल 52.50 लाख रुपये प्राप्त कर लिए। रकम लेने के बाद न तो ऋण स्वीकृत कराया गया और न ही कोई

अमृत 1.0 सीवेज परियोजना सहित कई विकास कार्यों की सौगात आज

निवेशक उपलब्ध कराया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, लगातार दबाव बनाने पर आरोपियों ने 42.50 लाख और 10 लाख रुपये के दो चेक दिए, लेकिन बैंक में प्रस्तुत करने पर हस्ताक्षर मेल नहीं खाने के कारण दोनों चेक अनादृत हो गए। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने निजी फंडिंग दिलाने के नाम पर अनुबंध कर रकम को सिक्वैरिटी बताकर अपने पास रख लिया।

प्राथमिक जांच में धोखाधड़ी की पुष्टि होने पर विजयनगर थाना पुलिस ने योगेश पाटिल और मनीष सिंह कटारिया के विरुद्ध बीएनएस की धारा 318(4), 316(2) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

10 लाख की खेप छोड़ जंगल में भागा तस्कर

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को शहर के प्रवास पर रहेंगे। उनके मुख्य आतिथ्य में दोपहर 12 बजे डुमना नेचर पार्क में मियावाकी पद्धति से 11 लाख पौधारोप अभियान और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'कैच द रेन' अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 12:45 बजे घंटाघर स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस कन्वेंशन सेंटर में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री अमृत 1.0 सीवेज परियोजना का लोकार्पण करेंगे। साथ ही रजक समाज के लिए सर्वसुविधायुक्त लॉन्ड्री क्षेत्र तथा गुरंदी में नव-निर्मित आधुनिक मत्स्य विक्रय केंद्र की सौगात भी देंगे। कार्यक्रम में डिजिटल सेवाओं से जुड़ी नई पहल का शुभारंभ किया जाएगा। इसके अलावा पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को क्रेडिट कार्ड वितरित कर डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया जाएगा।

कीचड़ ने खोल दी गांजा तस्करी की पोल

जबलपुर। किस्मत जब साथ छोड़ दे तो अपराध का सबसे बड़ा राज भी पल भर में खुल जाता है। खमरिया थाना क्षेत्र में ऐसा ही हुआ, जब वाहन चेंकिंग से बचने के लिए कार मोड़कर भाग रहे तस्कर की गाड़ी कीचड़ में धंस गई। कार निकालने की कोशिश आसानी रही तो चालक वाहन चालू हालत में छोड़ जंगल के रास्ते फरार हो गया। पीछे पहुंची पुलिस ने कार की तलाशी ली तो ड्रिक्की से करीब 20 किलो 433 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 10 लाख 21 हजार रुपये आंकी गई है।

खमरिया थाना प्रभारी राजकुमार खटीक के मुताबिक, गुरुवार देर रात अमझर घाटी में पुलिस की वाहन चेंकिंग चल रही थी। इसी दौरान शहर की ओर

कीचड़ ने खोल दी गांजा तस्करी की पोल

आ रही अल्टो कार (सीजी-04-एचबी-6745) का चालक पुलिस को देखकर अचानक गाड़ी मोड़कर भागने लगा। जल्दबाजी में कार सड़क किनारे कीचड़ में फंस गई। पुलिस को अपनी ओर आता देख चालक कार छोड़कर जंगल की तरफ भाग निकला।

गई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फरार तस्कर की पहचान और गांजे की सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए कार के रजिस्ट्रेशन और अन्य सुरागों के आधार पर जांच तेज कर दी गई है।

संस्कारधानी को आज मिलेगी प्रदेश के सबसे हाईटेक तिलवारा थाने की सौगात, सीएम डॉ. मोहन यादव करेंगे लोकार्पण

▶ पहली बार मुख्यमंत्री के हाथों होगा थाना भवन का उद्घाटन, कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह के प्रयासों से मिली भूमि, पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय और टीआई बृजेश मिश्रा की पहल से साकार हुई आधुनिक पुलिससिंग की परिकल्पना

हरिभूमि, जबलपुर।

संस्कारधानी जबलपुर के लिए शनिवार का दिन ऐतिहासिक होने जा रहा है। प्रदेश के सबसे आधुनिक और हाईटेक थाना भवनों में शामिल तिलवारा थाना का लोकार्पण आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। यह अपने आप में गौरव का विषय है कि संस्कारधानी में पहली बार किसी मुख्यमंत्री के हाथों किसी थाना भवन का औपचारिक उद्घाटन होने जा रहा है। करीब सवा दो करोड़ रुपये की लागत से लागभग एक एकड़ भूमि पर निर्मित यह थाना अपने वाले वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पीछे लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह की अहम भूमिका रही। प्रारंभिक योजना के अनुसार थाना भवन तिलवारा पुल के उस पार नहर के समीप प्रस्तावित था, लेकिन सुरक्षा, यातायात और जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह के प्रयासों से वर्तमान स्थान के लिए भूमि उपलब्ध कराई गई। इसके बाद पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी बृजेश मिश्रा के समन्वय से आधुनिक सुविधाओं से युक्त थाना भवन का सपना साकार हो सका।

25 साल आगे की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार हुआ थाना

पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के अनुसार तिलवारा थाना केवल वर्तमान जरूरतों के लिए नहीं, बल्कि अगले 25 वर्षों की पुलिसिंग को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। थाना क्षेत्र में तेजी से बढ़ती आबादी, शहरी विस्तार और राष्ट्रीय राजमार्ग से इसकी निकटता को देखते हुए पूरे मध्यप्रदेश में भविष्य की स्मार्ट पुलिसिंग का नया मॉडल बनकर उभरेगा।

विवाद के बीच टोकने पर पड़ोसी की हत्या करने वाले को उम्कैद

जबलपुर। पत्नी के साथ विवाद के दौरान पड़ोसी के विरोध पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या के मामले में जिला अदालत ने आरोपी अजय रैकवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश राहुल सिंह की अदालत ने उस पर 1500 रुपये का जुर्माना भी लगाया। अभियोजन के अनुसार 24 अप्रैल 2022 को खाई मोहल्ला, सिंधी कैंप निवासी अजय रैकवार घर पहुंचा था। वहां पत्नी को पड़ोस की महिला के साथ बैठे देखकर वह गालीगलौज करने लगा। पड़ोसी दिलाशाद ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने चाकू से उस पर कई बार कर दिए। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। हनुमानताल पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज किया था। सुनवाई के दौरान पेश साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी माना।

काँपी देखने के लिए फीस जमा फिर भी एक महीने से इंतजार रादुविवि की सुस्त व्यवस्था से छात्र परेशान

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (रादुविवि) की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। प्रोफेशनल कोर्स की उत्तरपुस्तिका देखने के लिए आवेदन करने वाले छात्र पिछले एक महीने से विश्वविद्यालय के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें न कॉपी दिखाई गई और न ही प्रशासन की ओर से कोई सूचना दी गई। हैरानी की बात यह है कि उत्तरपुस्तिका देखने के लिए विद्यार्थियों ने एक हजार रुपये तक शुल्क जमा किया है, इसके बावजूद विश्वविद्यालय ने प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई। छात्रों का आरोप है कि न तो फोन किया गया और न ही कोई मैसेज भेजा गया, जिससे वे पूरी तरह असमंजस में हैं।

सबसे ज्यादा परेशानी एटीकेटी परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को हो रही है। जिन छात्रों को अपनी उत्तरपुस्तिका की जांच या अंकों की

शिकायत लेकर पहुंचे तो एसडीएम ने 'गुंडा' कहकर भगाया, बुजुर्ग का आरोप

हरिभूमि, जबलपुर।

जिले की शहपुरा तहसील के ग्राम मैली में प्रशासन और ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। कैंसर से पीड़ित 80 वर्षीय बुजुर्ग उमेश नारायण पचौरी का आरोप है कि जब वह नागपुर में अपना इलाज करा रहे थे, उसी दौरान उनकी निजी भूमि को ग्राम पंचायत के पोर्टल पर सड़क के रूप में दर्ज कर दिया गया। इलाज से लौटने के बाद जब उन्हें इसकी जानकारी मिली तो वे रहींलचेयर पर न्याय की गुहार लगाने एसडीएम कार्यालय पहुंचे, लेकिन राहत मिलने के बजाय उन्हें अपमानित कर कार्यालय से भगा दिया गया।

नागपुर में इलाज कराते रहे, इधर निजी जमीन पर चढ़ गई 'सड़क'

कैंसर पीड़ित बुजुर्ग की जमीन को पोर्टल पर बना दिया सड़क!

जिसने शिकायत की, उसी पर अतिक्रमण का आरोप

ग्रामीणों का आरोप है कि जिस व्यक्ति की शिकायत पर कार्रवाई की जा रही है, उसी ने ग्राम की सड़क पर मकान बनाकर अतिक्रमण कर रखा है। ग्रामीणों ने उसके खिलाफ कई आवेदन दिए, लेकिन उस पर कार्रवाई नहीं हुई। इसके विपरीत प्रशासन बुजुर्ग की निजी जमीन से सड़क निकालने की कार्रवाई कर रहा है।

एसडीएम पर गंभीर आरोप

उमेश नारायण पचौरी का आरोप है कि जब उन्होंने एसडीएम मदन सिंह रघुवंशी के समक्ष अपना पक्ष रखने का प्रयास किया तो उनकी बात सुनने के बजाय उन्हें रगड़ार कहकर अपमानित किया गया और कार्यालय से बाहर निकाल दिया गया।

होना चाहिए जांच

यह मामला अब केवल एक जमीन विवाद नहीं, बल्कि राजस्व रिकॉर्ड, पंचायत पोर्टल की पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि बुजुर्ग के आरोप सही हैं, तो यह निजी संपत्ति

के अधिकारों और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का गंभीर उल्लंघन माना जा सकता है।

क्या कहते हैं जिम्मेदार

सड़क ग्राम पंचायत के पोर्टल में दर्ज है, इसलिए गेट हटाना होगा। ग्रामवासियों द्वारा किसी अन्य अतिक्रमण की शिकायत भेरे पास नहीं आई है।

मदन सिंह रघुवंशी, एसडीएम शहपुरा

बुजुर्ग ने सड़क के लिए मौखिक स्वीकृति दी थी। दानपत्र नहीं दिया, फिर भी पोर्टल पर सड़क दर्ज कर दी गई। यह उनका पारिवारिक विवाद है।

ओमप्रकाश, सचिव ग्राम पंचायत सलीवाड़ा

तीखे सवाल

■ बिना दानपत्र और वैधानिक हस्तांतरण के निजी भूमि को पंचायत पोर्टल पर सड़क कैसे दर्ज कर दिया गया?

■ यदि सड़क वर्षों से अस्तित्व में नहीं थी, तो रिकॉर्ड में उसका आधार क्या है?

■ शिकायतकर्ता पर अतिक्रमण के आरोपों की जांच क्यों नहीं हुई?

■ क्या प्रशासन निजी संपत्ति के अधिकारों की अनदेखी कर रहा है?

मुख्यमंत्री के सिहोरा दौरे का सात माह से इंतजार

सिहोरा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सिहोरा आने का सात माह पूर्व किया गया वादा अब तक पूरा नहीं होने से सिहोरा जिला आंदोलन से जुड़े लोगों और नागरिकों में निराशा एवं असंतोष है। आंदोलनकारियों का कहना है कि 26 दिसंबर 2025 को मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान शीघ्र सिहोरा आने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक उनका दौरा नहीं हो सका। आंदोलन से जुड़े नागरिकों का कहना है कि सिहोरा को जिला बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। उनका मानना है कि मुख्यमंत्री यदि स्वयं सिहोरा आकर जनता से संवाद करें तो क्षेत्र की समस्याओं और जनभावनाओं को प्रत्यक्ष रूप से समझ सकेंगे। उनका यह भी कहना है कि मुख्यमंत्री पिछले कई महीनों में विभिन्न कार्यक्रमों के लिए जबलपुर आते रहे हैं, लेकिन सिहोरा का दौरा उनके कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पाया। आंदोलनकारियों के अनुसार, विकास, प्रशासनिक सुविधाओं और जिला गठन जैसे मुद्दों पर सरकार को गंभीरता से निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपने पूर्व आश्वासन के अनुरूप शीघ्र सिहोरा आने, नागरिकों से संवाद करने और लंबित मांगों पर सकारात्मक पहल करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि सिहोरा अब केवल आश्वासनों का नहीं, बल्कि ठोस निर्णय और विकास का इंतजार कर रहा है।

आंदोलनकारियों ने वादा निभाने की उठाई मांग

बाजार की दहलान में लग रहा प्राथमिक स्कूल

बच्चों की सुरक्षा को लेकर उठे सवाल

पाटन। जबलपुर जिले के रोझा गांव में शासकीय प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राएं इन दिनों एक निजी मार्केट की दलान में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। विद्यालय भवन जर्जर होने के कारण इस वर्ष उसे ध्वस्त कर दिया गया, लेकिन बच्चों की पढ़ाई के लिए समय पर वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई। पहले कक्षाएं एक वेयरहाउस में संचालित की गईं, जहां अत्यधिक गर्मी के कारण परेशानी हुई। इसके बाद गांव के एक व्यापारी ने अपनी मार्केट की दलान उपलब्ध कराई, जहां वर्तमान में कक्षा पहली से पांचवीं तक की पढ़ाई हो रही है। बारिश से बचाव के लिए शिक्षिकाओं ने अस्थायी रूप से



नेट लगाई है। वहीं विद्यालय के सामने पाटन-जबलपुर मार्ग पर भारी यातायात होने से बच्चों और शिक्षकों में हादसे की आशंका

बनी हुई है। विद्यार्थियों ने भी सड़क से गुजरने वाले तेज रफ्तार वाहनों के कारण भय का माहौल होने की बात कही। विद्यालय की शिक्षिका संगीता श्रीवास्तव ने बताया कि भवन ध्वस्त होने के बाद प्रशासन से सुरक्षित स्थान पर स्कूल स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया था, लेकिन समय पर व्यवस्था नहीं हो सकी। मामले की जानकारी मिलने पर वरिष्ठ अधिकारी योगेश शर्मा ने बताया कि बीआरसी को मौके पर भेजा गया है। फिलहाल विद्यार्थियों को दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया गया है तथा शीघ्र ही उपयुक्त भवन उपलब्ध कराकर नियमित रूप से कक्षाएं संचालित की जाएंगी।

पश्चिम मध्य रेल में मुंशी प्रेमचंद की 146वीं जयंती मनाई गई

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल में महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह के संस्करण तथा मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी एम.एस. हाशमी के निर्देशन में 31 जुलाई 2026 को हिंदी साहित्य के महान साहित्यकार एवं उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 146वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर मुख्यालय स्थित सांस्कृतिक अकादमी के नाट्य कलाकारों द्वारा प्रेमचंद की कालजयी कहानी 'ईदगाह' का प्रभावी वाचन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक कार्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं उप मुख्य राजभाषा अधिकारी विवेक कुमार गुप्ता द्वारा मुंशी प्रेमचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत उपस्थित हिंदी प्रेमियों ने प्रेमचंद के जीवन, व्यक्तित्व, कृतित्व तथा उनके साहित्यिक योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों द्वारा प्रेमचंद जी के जीवन एवं साहित्य पर आधारित कविताओं की भी प्रभावशाली पाठ किया गया। अपने संबोधन में उप मुख्य राजभाषा अधिकारी विवेक कुमार गुप्ता ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद की कहानियाँ, उपन्यास और अन्य साहित्यिक कृतियाँ मानवीय मूल्यों एवं नैतिक शिक्षाओं से परिपूर्ण हैं। उनका साहित्य समाज को संवेदनशीलता, कर्तव्यनिष्ठा और मानवीयता का संदेश देता है तथा जीवन की विषम परिस्थितियों में सही मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता है।



शहीद ऊधम सिंह का स्मृति दिवस मनाया गया

जबलपुर। 31 जुलाई शुक्रवार को मूलनिवासी जागृति अभियान के तहत शहीद ऊधम सिंह का स्मृति दिवस जबलपुर रेल्वे स्टेशन के पास, राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह स्मारक स्थल में पुष्पांजलि अर्पित कर सामयिक उद्बोधनों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर किशोरीलाल भलावी, राजेन्द्र चौधरी, बैजनाथ कुशवाहा, मनोज वाघमारे, विजय पात्रे, भरत कोरी, बौद्धाचार्य संतोष मराठा, भीमराव साखरे, बंडू लांजेवार, कैलाश आठनरे, माया हुरमाड़े, आरके पात्रे, जीपी सराठे, सुरेश वैद्य आदि उपस्थित थे।

मुख्यालय के 4 अधिकारी, 2 कर्मचारी सहित पश्चिम मध्य रेलवे के 145 रेलकर्मों सेवानिवृत्त



जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल के मुख्यालय में कार्र्यर चार अधिकारी मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण/आरएसपी) श्री प्रमात, सीएमपीई राधेश्याम बीका, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी संजय कुमार, एडब्ल्यूओ अतुल कुमार मिश्रा एवं दो कर्मचारी सेवशन इंजीनियर राजेश कुमार श्रीवास्तव, फोटोग्राफर राजेन्द्र कुमार पैगवार सहित जबलपुर, भोपाल, कोटा मण्डलों एवं दोनों कारखानों के कुल 145 रेलकर्मों शुक्रवार 31 जुलाई 2026 को सेवानिवृत्त हुए, जिसमें मुख्यालय से 4 अधिकारी एवं 2 कर्मचारी, जबलपुर मंडल से 26 कर्मचारी, भोपाल मण्डल से

2 अधिकारी एवं 34 कर्मचारी, भोपाल कारखाना से 14 कर्मचारी, भोपाल निर्माण से 3 रेलकर्मों, कोटा मण्डल में 50 कर्मचारी, कोटा कारखाना से 8 कर्मचारी, कोटा निर्माण से 2 कर्मचारी शामिल हैं। पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में माह के अंतिम कार्य दिवस 31 जुलाई 2026 को अपर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार खत्री, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक नीरज कुमार, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी एसडी पाटीदार, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी मनोज कुमार जेठ एवं प्रमुख मुख्य मैकेनिकल इंजीनियर शैलेन्द्र कुमार रावत, जनसम्पर्क अधिकारी बीएन

गुप्ता ने चारों अधिकारी एवं दो कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति संबंधित दस्तावेज प्रदान किये। सेवानिवृत्ति पर रेल प्रशासन की ओर से स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गईं। सेवानिवृत्ति समारोह के अवसर पर उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (एचआरडी) संजय कुमार सिन्हा सहित कार्मिक विभाग के अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी एवं जनसम्पर्क विभाग के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संवादन सहायक कार्मिक अधिकारी (प्रशासनिक) शैलेन्द्र सिंह गौर द्वारा किया गया।

चालीसा व्रत करने से परमानंद प्राप्त के द्वार खुल जाते हैं : अशोकानंद

जबलपुर। चालीसा व्रत महोत्सव पर विशेष पूजन अर्चन, सिर पर भगवान झुलेलाल की बहराणा दीप, अक्षत, सिन्दूर, से सजी थालियां रखकर आज सैकड़ों सिन्धी धर्मावलंबियों ने अक्खा पूजा में हिस्सा लिया। अवसर था पारम्परिक पंजड़ा भक्ति गीतों पर झूमते-नाचते महिला-पुरुष, शुक्रवार को अक्खा पूजा, थाली पूजा, बहराणा साहब की पूजा, जल ज्योति की पूजा के विशेष पर्व आयोजन का। श्री झुलेलाल मंदिर भरतीपुर में आज सुबह से भक्तिमयी छटा बिखरने लगी। मंदिर परिसर में आज पारम्परिक पूजन के लिए बड़ी संख्या में लोग जमा हुए। पूजन को भव्यता प्रदान करने के लिये पंजड़ा भक्तिगीतों की धुन पर सैकड़ों श्रद्धालु झूमते-नाचते भगवान झुलेलाल की परिक्रमा करते चल रहे थे। इस बीच पुरुषों का चाचर नृत्य और दीपपदान का आयोजन भी हुआ, सुबह इस विशेष धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन स्वामी प्रदीप महाराज, पीडित वेदांत शर्मा के सानिध्य में हुआ।

जनेकृविवि में तीन कर्मचारियों को दी भावभीनी विदाई डॉ. अतुल श्रीवास्तव सहित तीन हुए सेवानिवृत्त

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय (जनेकृविवि) में शुक्रवार को सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सम्मान में विदाई स मा रो ह आयोजित किया गया। कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं कृषि अभियांत्रिकी संकाय के डीन डॉ. अतुल श्रीवास्तव ने अपना सेवाकाल पूर्ण कर सेवानिवृत्ति ग्रहण की। उन्होंने शिक्षा, शोध एवं कृषि अभियांत्रिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। वे 20 वर्ष विभागाध्यक्ष तथा 6 वर्ष अधिष्ठाता के रूप में सेवाएं देने के साथ विश्वविद्यालय की विद्वत परिषद एवं प्रशासनिक परिषद के सदस्य भी रहे। समारोह में कुलपति



डॉ. पी.के. मिश्रा, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. धीरेन्द्र खरे, कुलसचिव डॉ. ए.के. जैन सहित विश्वविद्यालय के अधिकारियों, प्राध्यापकों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने शाल, श्रोफल, स्मृति-चिन्ह और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका सम्मान किया।

डॉ. राम प्रताप जयसवाल

इसी अवसर पर कृषि महाविद्यालय के उद्यान शास्त्र विभाग के प्रक्षेत्र विस्तार अधिकारी डॉ. राम प्रताप जयसवाल भी 41 वर्षों की सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने मुरैना, सीधी और जबलपुर में अपनी सेवाएं



दीं। अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. स्वाती बारचे, डीन डॉ. अल्पना सिंह सहित विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका सम्मान कर शुभकामनाएं दीं।

श्री राजेन्द्र प्रसाद रावत

वहीं कृषि महाविद्यालय छात्रावास के श्री राजेन्द्र प्रसाद रावत 49 वर्षों की सेवाएं पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। छात्रावास में विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए उनकी समर्पित एवं ईमानदार सेवाओं की सराहना करते हुए विश्वविद्यालय परिवार ने उन्हें सम्मानित कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।



नर्मदा प्रसाद दुबे व जय कुमार पटेल सेवानिवृत्त



सिहोरा। जनपद पंचायत सिहोरा के सभागार में ग्राम पंचायत जुझारी के सचिव नर्मदा प्रसाद दुबे एवं ग्राम पंचायत फनवानी के सचिव जय कुमार पटेल के 31 वर्ष की सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री, विशिष्ट अतिथि जनपद उपाध्यक्ष दिलीप पटेल तथा अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशा देवी पटेल ने की। इस अवसर पर

जनपद अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री ने कहा कि सेवानिवृत्ति केवल पद से विदाई नहीं, बल्कि जीवन के एक महत्वपूर्ण अध्याय का समापन और नए अध्याय की शुरुआत है। उन्होंने दोनों अधिकारियों की निष्ठा, ईमानदारी और समर्पित सेवाओं की सराहना की। सीईओ आशा देवी पटेल ने भी दोनों सचिवों के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। सचिव संघ के अध्यक्ष प्रमोद पाण्डे

के नेतृत्व में सचिवों ने शाल, श्रोफल, अभिनंदन पत्र एवं सम्मान निधि भेंट कर दोनों का सम्मान किया। वहीं रोजगार सहायक संघ के अध्यक्ष संजय तिवारी ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन प्रहलाद पाण्डे ने किया। समारोह में एपीओ मनीष पाण्डे सहित जनपद के अधिकारी, सचिव, जनप्रतिनिधि एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों के परिजन उपस्थित रहे।



जनसम्पर्क विचार मंच ने वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी गोविन्द दास यादव और अतिश बाजपेई को सेवानिवृत्ति पर दी विदाई

जबलपुर। जनसम्पर्क विचार मंच की ओर से एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी में कार्यरत गोविन्द दास यादव और मध्यप्रदेश पावर जनरेंटिंग कंपनी में कार्यरत अतिश बाजपेई को सेवानिवृत्ति के अवसर पर विदाई दी गई। उल्लेखनीय है कि गोविन्द दास यादव ने 38 वर्षों और अतिश बाजपेई ने 40 वर्षों तक कर्तव्य परायणता व निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी को निभाया। गोविन्द दास यादव ने कई वर्षों तक अंतर क्षेत्रीय विद्युत हॉकी प्रतियोगिता में केन्द्रीय कार्यालय का प्रतिनिधित्व कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर जनसम्पर्क विचार मंच के अध्यक्ष राकेश पाठक व उपाध्यक्ष कमलेश पटेलिया ने सेवानिवृत्त होने वाले दोनों कार्मिकों के सेवाकाल और उनके उत्कृष्ट आचरण व व्यवहार का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने सेवाकाल में अनेक प्रतिमान स्थापित करके नए कार्मिकों के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस अवसर पर जनसम्पर्क विचार मंच की ओर से गोविन्द दास यादव व अतिश बाजपेई को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

श्रीमती प्रेमवती बाई विश्वकर्मा- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री रतन लाल विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमवती बाई विश्वकर्मा (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती प्रभा पाटकर- पुनीत नगर आधारताल निवासी श्री बीएम पाटकर की धर्मपत्नी श्रीमती प्रभा पाटकर (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री हेमराज कनौजिया- नई बस्ती राधाकृष्णन वार्ड सिद्धबाबा रोड निवासी श्री हेमराज कनौजिया (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री मनोहर सिंह रैकवार- महाराजपुर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी श्री मनोहर सिंह रैकवार (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुकेश कुमार रजक- नरथैया छुट्टू मियां की तलेया निवासी श्री मुकेश कुमार रजक (55) का निधन

हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कमला बाई सांधिया-

श्री एके श्रीवास्तव- इंद्रा नगर सुहागी निवासी श्री एके श्रीवास्तव (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मालती बाई- भानतलैया बकरा मार्केट निवासी श्री गंगाराम की धर्मपत्नी श्रीमती मालती बाई (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री दीपक साहू- खाई मोहल्ला हनुमानताल निवासी श्री दीपक साहू (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में संपन्न हुआ।

हरीभूमि विजय/श्रेष्ठ/उदावन, एगड़ी रम, पुण्यतिथि संघी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग- 9303608294, 9407362160



आखिर ऐसा क्या हुआ था उस रात, जिसके बाद अमिताभ रॉय को यह खौफनाक कदम उठाना पड़ा। इस वारदात ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया था। हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी में हुए सनसनीखेज मां-बेटे हत्याकांड के मामले में पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक रिपोर्ट में दोनों की हत्या जहर देकर किए जाने की पुष्टि के बाद पुलिस ने फरार आरोपी पति अमिताभ रॉय उर्फ बाबला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी ने बेहद शातिर तरीके से गुपचुप (पानीपूरी) के पानी में चूहा मार जहर मिलाकर अपने ही परिवार को मौत के घाट उतारा था।

गुपचुप के पानी में चूहा मार जहर पत्नी और बेटे को मार डाला



जगदलपुर से राजेश दास

घर-घर की कहानी की तरह पति-पत्नी में होने वाले छोटे मोटे विवाद ने 13 फरवरी 2022 की रात को विकराल रूप ले लिया। लालबाग हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, ब्लॉक नंबर 20, मकान नंबर 389 में रहने वाले अमिताभ रॉय उर्फ बाबला को पत्नी चमेली रॉय की एक बात ऐसी चुभी, कि उसने उसी समय उसे मौत के घाट उतारने का खौफनाक निर्णय ले लिया। इसके बाद अगले दिन उसने गुपचुप के पानी में चूहा मार जहर मिलाकर खिला दिया। बावजूद पत्नी की मौत नहीं हुई तो उसने पत्नी व बेटे की रस्सी से गला घोटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद भी उसका मन विचलित नहीं हुआ और उसने सुबह बकायदा पूजा पाठ कर पत्नी व बेटे को टीका लगाया और नहा धोकर इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने का कबूलनामा डायरी में लिखकर फरार हो गया। फरार होने से पहले वह अपनी मां के घर पहुंचा और पूरी वारदात बताई।

पीएम और फॉरेंसिक रिपोर्ट से हुआ 'जिंक फॉस्फाइड' जहर का खुलासा : मकान नंबर 389 में चमेली रॉय और उनके मासूम बेटे आरव रॉय के शव मिलने के बाद पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराया। डॉक्टरों की पीएम रिपोर्ट में साफ हुआ कि दोनों की मौत जहर देने और दम घुटने की वजह से हुई है। घटनास्थल से बरामद चूहा मार दवा और उल्टी के नमूनों की जब रासायनिक जांच कराई गई, तो उसमें जिंक फॉस्फाइड नामक खतरनाक रासायनिक विष की पुष्टि हुई।

कोर्ट में चालान पेश, आरोपी सलाखों के पीछे : आरोपी अमिताभ रॉय के खिलाफ हत्या का अपराध सिद्ध पाए जाने पर पुलिस ने उसे 1 मार्च 2022 को ही गिरफ्तार कर थानी जेल भेज दिया था। मामले में प्रार्थी पिता नरेश पण्डा और अन्य गवाहों के बयानों, फॉरेंसिक साक्ष्यों और जन्मी के आधार पर पुलिस ने पुख्ता दस्तावेज तैयार किए।

पति के मर्दानगी को चैलेंज करते हुए 'बेटे का बाप कोई और है' कहा, जिसके बाद खौफनाक हत्याकांड को दिया अंजाम

गुपचुप के पानी में मिलाया जहर, सांस चलते देखा तो रस्सी से घोंटा गला

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए फरार आरोपी अमिताभ रॉय को 1 मार्च 2022 को ओडिशा के जगन्नाथ पुरी से हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि घटना के दिन उसने 'टाईगर रेड किलर' (चूहा मार दवा) का 10 पैकेट बाजार से खरीदा और उसे स्टील की गंजी (मगोने) में रखे गुपचुप के पानी में मिलाया था और उसे स्टील की प्लेट में परोसकर अपनी पत्नी और बच्चे को खिलाया। जहर खाने के बाद भी जब पत्नी की मौत नहीं हुई, तब आरोपी ने मच्छरदानी बांधने वाली काँटन की रस्सी से दोनों का गला घोटकर उनकी जान ले ली। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल स्टील की गंजी, प्लेट और काँटन की रस्सी बरामद कर जब्त कर ली है।



पैसे के विवाद व ताने ने उजाड़ दिया हंसता-खेलता परिवार

पुलिस विवेचना में यह बात सामने आई है कि आरोपी अमिताभ रॉय उर्फ बाबला का अपनी पत्नी चमेली रॉय के साथ रुपए-पैसों के लेनदेन को लेकर तथा पत्नी द्वारा पति को बार बार नपुंसक कहना और बेटे का बाप कोई और है कि बात पर अक्सर विवाद होता था। इसी विवाद के चलते उसने 13 फरवरी 2022 को इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया और खुद का कबूलनामा डायरी में लिखकर फरार हो गया था। पुलिस ने डायरी के पन्नों पर लिखे उस स्वीकारोक्ति पत्र की हैडराइटिंग जांच के लिए उसे एक्सपर्ट के पास भेजा था, जहां उसी की हैडराइटिंग होने की पुष्टि हुई।

प्रेम जब आक्रोश में बदलता है, वह यह नहीं देख पाता कि इसका अंजाम क्या होगा। एक ऐसा ही वाकिया छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में घटित हुआ, जहां एक प्रेमिका का गुस्सा का शिकार प्रेमी की पत्नी और एक मासूम को होना पड़ा। जिद में आकर प्रेमिका ने अपने प्रेमी की पत्नी और उसके बच्चों पर धारदार हथियार से लगातार वार किया। घटना में पत्नी और एक मासूम की मौत हो गई, वहीं एक बालिका ने बाथरूम में छिपकर अपनी जान बचाई।



मिलाई से जेएम तांडी



पत्नी और मासूम की चीख हमेशा के लिए हो गई दफन आरक्षक की आशिकी ,परिवार तबाह

तीन साल पहले ही फेसबुक से एसटीएफ आरक्षक ने युवती से पहले दोस्ती की। उसके बाद दोस्ती प्यार में बदली, फिर दोनों ने मिलकर शादी भी कर ली। शादी के बाद युवती को दुर्ग लाकर किराए के मकान में आरक्षक रखा हुआ था, जबकि आरक्षक पहले से शादीशुदा है। 2023 में आरक्षक की दोस्ती हुई थी उसकी पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा का परिवार दुर्ग कातुलबोर्ड स्थित एसटीएफ कालोनी में निवास करता था। स्मृति नगर पुलिस ने बताया कि आरक्षक ललितेश यादव छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पदस्था है। 15 दिनों के अवकाश पर आरक्षक अपने घर आया हुआ था। जिसके चलते घर में खुशियों का माहौल था।

परिवार में आरक्षक की पत्नी रानी (रीना) यादव, बेटियां तानियां, नैना और एक बेटा आदित्य घर पर रहते थे। 25 अप्रैल शनिवार की सुबह घर का माहौल खुशनुमा था। आरक्षक की शादी की साल गिरह होने पर परिवार को यूपी छोड़ने के लिए ट्रेन की बुकिंग कराने के लिए दुर्ग रेलवे स्टेशन गया हुआ था। अचानक उसके घर सकृती जिला जेजेपुर हल्दीडीह निवासी सरोजनी भारद्वाज पहुंची, जो दुर्ग के किराए के मकान में रहती थी।

पत्नी रानी ने आरक्षक पति को फोन कर सरोजनी के बारे में बताया तो उसने सरोजनी को शादी की सालगिरह होने की जानकारी दी और कहा कि परिवार को गांव यूपी छोड़ने टिकट के लिए रेलवे स्टेशन आना है। फिर सरोजनी ने कमरे का दरवाजा भीतर से बंद कर पलंग में सो रहे 8 वर्षीय मासूम आदित्य यादव पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर गंभीर कर दिया।

सरोजनी को पड़ोसियों ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया



बेटियों को भागने का ने दी आवाज

बताया गया है कि जब सरोजनी एक के बाद एक करके हमला कर रही थी। तब रानी यादव ने अपनी दोनों बेटियों को भागने के लिए आवाज लगा रही थी, तभी तानिया बाथरूम में छिप गई, लेकिन दूसरी बेटि नैन पर हमला कर दिया गया। किसी तरह बाहर निकलकर तानिया सूचना पड़ोसियों को दी। पड़ोसियों ने आरोपी युवती को पकड़ लिया। उसके दोनों हाथ को बांधकर रखा था। मौके पर सुपेला चौकी स्मृति नगर के जवानों के पहुंचने पर सरोजनी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस उससे पूछताछ करने पर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया।

प्रेमिका आरक्षक के साथ रहना चाहती थी

स्मृति नगर पुलिस ने बताया कि सरोजनी भारद्वाज आरक्षक ललितेश यादव के साथ रहना चाहती थी, लेकिन ललितेश उसे रखना नहीं चाहता था। इसी बात को लेकर पति-पत्नी और प्रेमिका सरोजनी भारद्वाज के बीच हमेशा पहले भी विवाद होता रहता था। युवती महिला सरोजनी भारद्वाज आरक्षक के साथ रहने की जिद को लेकर घटना के एक दिन पहले शुक्रवार 24 अप्रैल को उसके घर भी पहुंची थी, लेकिन आरक्षक की पत्नी रीना यादव के साथ उसका जमकर विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर आरक्षक ललितेश सरोजनी को समझा-बुझाकर उसे उसके घर दुर्ग छोड़कर लौट आया था।

बाथरूम में छिपकर बचाई अपनी जान

इधर किचन में काम कर रही रानी, बालक की आवाज को सुनकर कमरे में पहुंची तो सरोजनी ने उस पर भी कई वार किया। बेटि नैना को भी युवती ने नहीं बखशा, उस पर भी चाकू से वार कर घायल किया। वहीं बेटि तानिया अपने आप को बाथरूम में छिपकर अपनी जान बचाई थी। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचकर दरवाजा खुलवाया और सरोजनी को तुरंत पकड़ लिया। उसके बाद पुलिस के पहुंचते ही सरोजनी को उसके हवाले कर दिया। घायल रानी, नैना और आदित्य को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां कुछ देर बाद मां बेटे की मौत हो गई, नैना का उपचार चला। मौके पर एसएसपी विजय अग्रवाल, तत्कालीन एसपी सुखनंदन राठौर, सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी, निरीक्षक विजय यादव समेत कई पुलिस जवान पहुंचे थे।

छत्तीसगढ़ की राजनीति को आमतौर पर सौम्य और अपेक्षाकृत शांत माना जाता है। यहां राजनीतिक मतभेद शायद ही कभी खूनी संघर्ष का रूप लेते हैं, लेकिन कोरबा जिले के कटघोरा में 23 दिसंबर 2025 को हुई भाजपा नेता अक्षय गर्ग की हत्या ने इस धारणा को झकझोर दिया। व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा, राजनीतिक वक्त्र और एक क्रिकेट प्रतियोगिता के पोस्टर में फोटो-नाम नहीं आने से उपजी नाराजगी ने ऐसी रंजिश को जन्म दिया, जिसका अंत दिनदहाड़े हुई निर्मम हत्या में हुआ।



कोरबा से नागेन्द्र श्रीवास

दिसंबर 2025 को कटघोरा थाना क्षेत्र के कटोरी नगोई में हुई थी वारदात

सियासी और कारोबारी टकराव का खूनी अंजाम, जेल से चुनाव लड़ने तक की कहानी

कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कारखाना एरिया निवासी भाजपा नेता अक्षय गर्ग 23 दिसंबर 2025 को इनोवा का क्रमांक जेएच 05 डीके 2244 से ग्राम कटोरी नगोई स्थित अपने कार्यस्थल पर गया हुआ था। सुबह लगभग 9.30 बजे अक्षय गर्ग कैप के पास मजदूरों से कामकाज को लेकर चर्चा कर रहा था, तभी एक चार पहिया वाहन से तीन अज्ञात व्यक्ति मौके पर पहुंचे और धारदार लोहे की टेंगिया व चापड़ से उस पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में अक्षय गर्ग के सिर, हाथ और पेट में गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौत हो गई थी। हत्या की वारदात के बाद कटघोरा में सनसनी फैल गई थी और दुकानों के शटर गिरा दिए गए थे। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी व उनकी टीम ने कटघोरा में ही कैप किया था और अगले दिन ही वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को धरदबोचा था जिसमें मलदा निवासी आरोपी मिर्जा मुस्ताक अहमद पिता महमूद अहमद (27), विश्वजीत ओग्रे (21), गुलशन दास (26) एवं एक नाबालिग को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। मुख्य आरोपी मिर्जा मुस्ताक अहमद था। जो अक्षय गर्ग का व्यवसायिक और राजनितिक प्रतिद्वंद्वी था, लेकिन भाजपा नेता अक्षय गर्ग के प्रभाव की वजह से मुस्ताक अहमद को व्यावसायिक और राजनितिक क्षेत्र में सफलता नहीं मिल रही थी।

सामाजिक प्रभाव में आ गई थी कमी

अक्षय गर्ग के क्षेत्र क्रमांक 18 बिंदूरा जनपद से जीतने के बाद मिर्जा मुस्ताक अहमद के सामाजिक प्रभाव में भी कमी आ गई थी। एक क्रिकेट प्रतियोगिता में मिर्जा मुस्ताक अहमद की फोटो और नाम पोस्टर से गायब करा दिया गया था। इन्हीं कारणों की वजह से दोनों के बीच लगातार टकराव बढ़ता ही जा रहा था, जिसके चलते मुस्ताक ने अक्षय को जान से मारने की प्लांनिंग की। पुलिस ने आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज दिया। जिसके बाद मामले के मुख्य आरोपी मिर्जा मुस्ताक अहमद ने जेल की चार दीवारों में रहकर उप चुनाव जनपद सदस्य का चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल किया था, जहां से चुनाव लड़ा और हार का सामना करना पड़ा।



आरोपी का वारदात में रोल

बताया जाता है इस सनसनीखेज हत्या की वारदात को अंजाम देने में मुख्य आरोपी ग्राम मलदा निवासी मिर्जा मुस्ताक अहमद पिता महमूद अहमद (27) मुख्य आरोपी था, जिसने हत्या की योजना तैयार कर हथियार इकट्ठा कर सर्वप्रथम घटना स्थल पर अक्षय गर्ग के पेट पर वार किया। वहीं सिंधिया कोरबी निवासी विश्वजीत ओग्रे पिता स्व. नागेन्द्र ओग्रे (21) वर्ष मिर्जा मुस्ताक का मुख्य सहयोगी है, जिसने घटना स्थल पर टेंगिया से अक्षय गर्ग के सिर पर ताबड़तोड़ वार किए थे। मलदा निवासी गुलशन दास पिता त्रिभुवन दास (26) ने मृतक अक्षय गर्ग के आने जाने की हर सूचना वारदात के मुख्य आरोपी मिर्जा मुस्ताक अहमद को देता रहा। जिसके बाद आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया था।